

ब्वॉयफ्रेंड से पहली बार चुदने की चाहत

"मेरी प्यार की कहानी हमारी ही गली के एक लड़के के साथ शुरू हुई। एक दिन मेरी दोस्त पिंकी के घर वाले कहीं बाहर गए हुए थे तो मैंने अपने बॉयफ़ेंड राहुल को बता दिया कि कल पिंकी के घर पर चलना

है।...

Story By: रीना सेहरावत (reena_sehrawat) Posted: Tuesday, March 15th, 2016

Categories: पहली बार चुदाई

Online version: ब्वॉयफ्रेंड से पहली बार चुदने की चाहत

ब्वॉयफ्रेंड से पहली बार चुदने की चाहत

हैलो मेरा नाम है रीना और मैं हरियाणा में रहती हूँ। मेरा फिगर 34-30-36 का है और मेरी लंबाई 5 फुट 5 इंच है।

मुझ में सबसे ख़ास बात है.. मेरे मोटे चूतड़ और मम्मों का उठा होना.. जो मुझे एक बार देख ले समझो उसका पक्का खड़ा होकर रहेगा.. इन्हें देखकर हर कोई लड़का मर मिटता है.. चाहे वो मेरी गली का हो या कहीं और का हो।

बात 2009 की है.. जब मैंने कॉलेज में एड्मिशन लिया था। वैसे तो ये कॉलेज तो सिर्फ़ लड़िकयों का ही था.. इसके बारे में मैं ज्यादा खोलकर नहीं लिख रही हूँ। उन दिनों मेरी प्यार की कहानी हमारी ही गली के एक लड़के के साथ शुरू हुई। पहले बात फोन पर ही हुआ करती थी.. फिर हम एक दिन एक रेस्टोरेंट में मिले और अच्छी तरह से बातें की।

इसके बात मेरी उससे दोस्ती चल पड़ी और हम कभी-कभी फोन सेक्स भी किया करते थे।

एक दिन मेरी दोस्त पिंकी के घर वाले कहीं बाहर गए हुए थे और अगले दिन आने वाले थे.. तो मैंने अपने बॉयफ्रेंड राहुल को बता दिया कि कल किसी काम से पिंकी के घर पर चलना है।

उसने 'हाँ' भर दी और फिर अगले दिन उसने मुझे ठीक 12 बजे अपनी कार से पिक किया और हम पिंकी के घर के लिए निकल पड़े।

पिंकी का घर मेरे शहर में ही था.. हम दोनों उसके घर पहुँच गए और उससे मुलाक़ात की।

फिर उसने हमें कोने वाले कमरे में भेज दिया और चाय कॉफी वगैरह भी कमरे में रख दिए। उस दिन बहुत गर्मी थी तो हमने कमरे में घुसते ही अन्दर से बन्द कर लिया.. एसी ऑन कर दिया और बिस्तर पर लेट गए। फिर हमने यहाँ-वहाँ की बातें की और कॉफ़ी ली.. जो पिंकी हमारे लिए बना लाई थी।

फिर राहुल ने मुझे अपनी बाँहों में ले लिया और मुझे मेरे गालों और गर्दन पर किस करने लगा। उसने मेरे होंठों को अपने होंठों में भर लिया और चूसने लगा.. मुझे भी मजा आने लगा था।

मैं भी उसका साथ देने लगी और अपने मुँह खोलकर उसकी जीभ को चूसने लगी। वो मेरे थूक को स्वाद लेते हुए चूस रहा था।

करीब आधे घंटे के इस लंबे किस के बाद हम दोनों के होंठ एक-दूसरे के थूक से भीग गए थे।

फिर हमने मुँह साफ किया.. अब वो मेरे कपड़े उतारने लगा और खुद भी नंगा हो गया। कुछ ही पलों में बिस्तर पर हम दोनों बिल्कुल नंगे पड़े थे।

फिर वो मेरी चूचियाँ अपने मुँह में लेकर चूसने लगा और मुझे और ज्यादा मज़ा आने लगा। मेरे मुँह से 'अहाहाहा.. ओह आ.. ऊऊऊ..' की सिसकारियाँ निकल रही थीं। चूचियाँ चूसने के बाद उसने अपना लंड मेरे मुँह की तरफ किया.. तो मैं समझ गई कि ज़रूर मुँह में लेने के लिए बोल रहा है। मैंने मना कर दिया.. तो फिर उसने कहा- प्लीज़ जानू अगर मुझसे प्यार करती हो तो मेरे लंड को चूसो..

तो मैंने उसका लंड अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगी। फिर थोड़ी देर बाद मुझे भी लंड चूसने में मजा आने लगा और मैं अपनी जीभ उसके लंड पर फिरा रही थी। वो अपनी आँख बंद करके 'अहह.. ओहो..' कर रहा था।

फिर करीब 20 मिनट की चुसाई के बाद वो मेरी चूत चाटने लगा। मैंने उसके मुँह में ही

अपना पानी छोड़ दिया।

फिर उसने मेरी चूत पर अपना लंड रख दिया।

मैं उसके साथ अपनी लाइफ का पहला सेक्स कर रही थी.. तो मुझे भी घबराहट हो रही थी कि पहली बार 7 इंच का लंबा और मोटा लंड अन्दर ले रही हूँ बहुत दर्द होगा।

उसने फिर से मेरे होंठों को अपने होंठों में भर लिया.. जब मेरा ध्यान लंड अन्दर जाने से हट गया.. मैं उसे किस करने लगी.. तो उसी समय उसने एकदम से धक्का लगा दिया और मुझे चक्कर आने लगे।

मुझे इतना दर्द जिंदगी में कभी महसूस नहीं हुआ.. जितना तब हुआ.. यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मैंने नीचे देखा तो देखती रह गई क्योंकि उसका सिर्फ़ आधा लंड ही अन्दर घुसा था और आधा अभी भी बाहर ही था।

मेरी चूत से खून भी निकल आया था।

उसने अपनी पूरी ताक़त के साथ एक धक्का और लगाया और अब उसका पूरा लंड मेरी चूत के अन्दर समा चुका था।

मैं दर्द के मारे रोने लगी थी और बार-बार उसे बाहर निकालने के लिए बोल रही थी। फिर लगातार अन्दर-बाहर करने के बाद मेरा दर्द कम होता चला गया और मुझे मज़ा आने लगा। अब मैं उसका साथ देने लगी और अपने चूतड़ उठाने लगी। मस्ती से मैं उसका लंड अपनी चूत में लेने लगी।

फिर उसने पोज़ बदलने के लिए कहा। अब वो बिस्तर पर चित्त लेट गया और मुझे लंड पर बैठने के लिए कहा। मैं उसके लंड पर आराम-आराम से बैठने लगी। जैसे ही लौड़े ने मेरी चूत की रास्ता ढूंड ली.. तो एकदम से लंड अन्दर घुसता चला गया। फिर से लौड़ा घुसने के बाद मैं अपने आप ऊपर-नीचे होने लगी। करीब आधे घंटे की चुदाई के बाद उसने मुझसे कहा- रानी मेरा निकलने वाला है..

मैं प्रेगनेन्ट नहीं होना चाहती थी.. इसलिए मैंने लंड बाहर कर दिया और अपने मुँह में लेकर चूसने लगी।

फिर एकदम से उसने एक पिचकारी के साथ अपना माल मेरे मुँह में निकाला और मेरा मुँह उसके माल से भर गया।

उसके माल का टेस्ट बहुत नमकीन सा था और फिर मैंने सारा माल निगल लिया। उसका बहुत माल निकला था।

फिर हम दोनों वॉशरूम गए और एक साथ नहाए और शावर लिया। अब हमें अन्दर दो घंटे हो चुके थे..

तो पिंकी भी डोर नॉक करने लगी तो हमने अपने-अपने कपड़े पहने और बाहर आ गए।

पिंकी हम दोनों को देख कर मुस्कुराने लगी और फिर उसने कॉफ़ी बना कर हमें दी और कॉफ़ी पीकर हम वहाँ से निकल पड़े।

वो मुझे मेरे कॉलेज छोड़कर चला गया और मुझे जाते समय एक अच्छा सा 'फ्रेंच किस' भी किया।

तो दोस्तो, यह थी मेरी रियल स्टोरी.. जो मैंने पहली बार अन्तर्वासना पर शेयर की है। जल्दी ही अपनी दूसरी स्टोरी भी पोस्ट करूँगी.. जब राहुल ने मेरी और पिंकी की गाण्ड मारी।

मेरी स्टोरी कैसी लगी मुझे मेल करें। reena_sehrawat21@yahoo.com

Other stories you may be interested in

मालिक की बेटी की कामवासना

दोस्तो नमस्कार, मेरा नाम संजय शर्मा है, आजकल दिल्ली में रहता हूँ, अच्छी नौकरी करता हूँ. आज पहली बार आपसे अपने कुछ अनुभव साझा करूँगा, अगर आपको पसंद आए तो आगे भी अपने और दोस्तों की लाइफ के अनुभव आपको [...]

Full Story >>>

वासना के पंख-3

दोस्तो, आपने पिछले भाग में पढ़ा कि कैसे मोहन ने अपनी सुहागरात पर यह जाना कि उसे कुँवारी लेकिन बहुत ही वासना से भरी चुदक्कड़ और शायद थोड़ी अनुभवी पत्नी मिली है। वो उसे अपने दोस्त के साथ मिल कर [...]

Full Story >>>

जनरल बोगी का सफर

मेरे अत्यंत प्रिय पाठक-पाठिकाओ, काफी लंबे अंतराल के पश्चात आज पुन : आपकी सेवा में एक नितांत अनूठे, अविस्मरणीय और आश्चर्यजनक किन्तु सुखद हादसे की प्रस्तुति कर रहा हूँ। इस कहानी से पूर्व मेरी पिछली कहानी पेट से नीचे की भुख [...]

Full Story >>>

अन्तर्वासना की सेक्स स्टोरी पढ़ कर चुदी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रजत है. आपने मेरी लिखी गई मेरी सच्ची कहानी गोरखपुर की जीनत ने घर बुला कर चुत चुदाई को बहुत पसंद किया, इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद. दोस्तो, आज मेरी कहानी एक मेरी अन्तर्वासना पाठिका की [...]

Full Story >>>

वासना के पंख-2

दोस्तो, आपने पिछले भाग में पढ़ा कि कैसे मोहन ने जवानी की दहलीज़ पर उसने अपने दोस्त के साथ परस्पर हस्तमैथुन करना सीखा। दोनों की दोस्ती घनिष्ठता की हर सीमा लाँघ चुकी थी। अब आगे... पास के ही गाँव में [...]

Full Story >>>